

12.08.024

पत्रावली पेश हुई। उक्त पत्रावली उप. अप्रार्थी संख्या 1,3,5,6,7, व 9 ता 19 को रकम-रकम कर बार-बार आवेज लगाई की सूचना तागिल के बावजूद अनुपस्थित इनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जाती है। वकील अप्रार्थी संख्या 2, 4 व 8 जवाब पेश नहीं करना चाहते है अतः इनका जवाब बन्द किया जाता है। वकील प्रार्थी ने अपने तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया वादग्रस्त आराजी मौजा सीलू पटवार हल्का अचलपुर तहसील सांचौर के खाता संख्या 83 के खेत खसरा नम्बर 50,620,76,78 जुमले रकवा 1.32 हेक्टर तथा खाता संख्या 82 के खसरा नम्बर 11,12,249,250 जुमले रकवा 0.26 हेक्टर व खाता संख्या 188 के खसरा नम्बर 36,37,40,41 जुमले रकवा 1.32 हेक्टर आई हुई है। जिसमें अप्रार्थी संख्या 1 का खाता संख्या 83 सम्पूर्ण इसी प्रकार खाता संख्या 82 में 1/4 हिस्सा, व खाता संख्या 188 में 1/16 हिस्सा संयुक्त खातेदारी का दर्ज सुदा आया हुआ है। उक्त आराजी प्रार्थी के पिता अप्रार्थी संख्या 1 व 2 ता 7 की पुश्तैनी एवं अप्रार्थी संख्या 8 ता 15 की के संयुक्त खातेदारी की आराजी आई हुई है। जिसमें मुझ प्रार्थी के पिता अप्रार्थी संख्या 1 उपरोक्त अनुसार खातेदारी का दर्जसुदा आया हुआ है। जो पुश्तैनी भूमि होने से प्रार्थी का नोशनल शैयर पैदा होने से प्रार्थी के पिता के पैतृक हिस्से में से प्रार्थी का 1/2 हिस्सा आया हुआ है। उक्त सम्पति पैतृक है जो हिन्दू उत्तराधिकार नियम के तहत पैतृक भूमि पर प्रार्थी का जन्म सिद्ध से ही अधिकार है जबकि अप्रार्थी संख्या 1 बैचान करने पर तुले हुए है तथा प्रार्थी को अपने पुश्तैनी हक से वंचित करना चाहते है। अप्रार्थी को पुश्तैनी पारिवारिक आराजी बैचान करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि पुश्तैनी भूमि अप्रार्थी संख्या 1 केवल उपयोग व उपभोग कर सकता है लेकिन रदोवदल नहीं कर सकता है। आज से चार रोज पूर्व अप्रार्थी संख्या 1 ने मेरे बंट की भूमि में मौके पर आकर प्रार्थी को अपने काब्जे काश्त की आराजी से बेदखल करने की मौखिक एलानिया धमकी दी एवं उपरोक्त आराजी में से अपना सम्पूर्ण हिस्सा किसी तीसरे पक्षकारान को बैचान अथवा दान-पत्र करने की एलानिया धमकी दी। उक्त खातेदारी पुश्तैनी आराजी अप्रार्थी संख्या 1 को अपने पिता यानी प्रार्थी के दादा तेजा से विरासत में प्राप्त हुई है तथा मौखिक बंटवाड़ा के अनुसार प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 1 ता 8 का अपने संभावित हिस्से व बंट की आराजी पर संयुक्त कब्जा काश्त शांति पूर्वक बैरोकरोक आया हुआ है। वादग्रस्त आराजी प्रार्थी का अपने पिता अप्रार्थीगण संख्या 1 के हिस्से में से नोशनल शैयर पैदा होने से प्रथम दृष्टया मामला प्रार्थी के पक्ष में है जहां तक सुविधा का संतुलन का प्रश्न पैदा हुआ है आपसी सहमति से भाईया बंटवाड़ा संवत् 2060 के अनुसार प्रार्थी का हिस्सा अलग कर बंटवाड़े की तारीख से शांतिपूर्वक बैरोकटोक



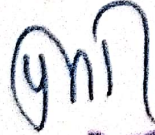
पुनी

सहायक कलेक्टर, सांचौर  
(उपबण्ड अधिकारी, सांचौर)



लगातार कब्जा काश्त प्रार्थीगण का आया होने से सुविधा का संतुलन भा प्रार्थी के पक्ष में है। जहां अपूरणीय क्षति का प्रश्न पैदा होता है प्रार्थी का लगातार शांति पूर्वक बैरोकटोक प्रार्थी के हिस्से की आराजी में आया होने से यदि प्रार्थी को प्रार्थी की भूमि हिस्से व कब्जे काश्त से जबरदस्ती बेदखल कर दिया गया तो अपूरणीय क्षति होगी। जिसका रूपयों पैसो में आंकलन नहीं किय जा सकता है। अतः वादग्रस्त आराजी की मौके एवं राजस्व रेकर्ड की यथास्थिति मूल वाद के अंतिम निस्तारण तक बनाये रखें इस आशय की अस्थाई निषेधाज्ञा बहक प्रार्थी विरुद्ध अप्रार्थीगण सादिर फरमावे।

हमने वकील प्रार्थी की बहस पर मनन किया। तथा पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात का अध्ययन अवलोकन किया। अतः प्रथम दृष्टया प्रकरण व सुविधा का संतुलन प्रार्थीगण के पक्ष की प्रतीत होने से प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.एक्ट स्वीकार किया जाता है। अप्रार्थीगण के विरुद्ध मूल वाद के ताफैसला तक इस आशय की अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की जाती है कि मौजा सीलू पटवार हल्का अचलपुर तहसील सांचौर के खाता संख्या 83 के खेत खसरा नम्बर 50,620,76,78 जुमले रकबा 1.32 हैक्टर तथा खाता संख्या 82 के खसरा नम्बर 11,12,249,250 जुमले रकबा 0.26 हैक्टर व खाता संख्या 188 के खसरा नम्बर 36,37,40,41 जुमले रकबा 1.32 हैक्टर भूमि में अप्रार्थीगण राजस्व रेकर्ड एवं मौके की यथास्थिति बनाये रखे। पत्रावली फैसल शुमार होकर मूल के साथ हो व नम्बर से कम हो।

  
सहायक कलेक्टर, सांचौर  
(उपखण्ड अधिकारी, सांचौर)